दिनांक 13 जुलाई 2018 को अपराह्न 4:00 बजे से भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के सभा कक्ष में हमने भाषा के विश्लेषण और प्रौद्योगिकी के विकास की दृष्टि से एक परिचर्चा चलाई, जिसमें निम्न 3 वाक्यों को लेकर गंभीर विचार हुआ, इन्ही तीन वाक्यों पर सोमवार दिनांक 16 जुलाई अपराह्न 4:00 बजे पुनः परिचर्चा की गई ये वाक्य थे---

1. सुरेश घर से किताब पढ़ कर चला आया।
2. सुरेश घर से किताब पढ़कर स्कूटर पर बैठकर चला आया।
3. अलमारी के भीतर विछे एक एक कागज को देख कर आया पर वहाँ डॉक्टर का लिखा पर्चा नहीं मिला।

परिचर्चा में इन वाक्यों की क्रियाओं को लेकर गंभीर विचार उभरा। परिचर्चा में प्रमुख रूप से निम्नांकित ने भाग लिया--

1. डॉक्टर अनिल दुबे
2. श्री अभिजीत प्रसाद
3. श्री तूफान सिंह पारधी
4. अमित कुमार गुप्ता
5. सुश्री गुंजन जैन
6. श्रीरमण मिश्र
7. प्रोफेसर वृषभ प्रसाद जैन
8. प्रोफेसर अनिल कुमार पाण्डेय
9. धनन्जय सिंह
10. जयप्रकाश गुप्ता
11. तेज प्रताप टंडन
12. सन्मति जैन
13. विजया सिंह
14. पंचदेव प्रसाद

यह भी निर्णय लिया गया कि अब परिचर्चा गुरुवार दिनांक 19 जुलाई को अपराह्न 4:00 बजे इसी कक्ष में फिर से चलेगी।
सभी आमंत्रित हैं।